

**सारपद** पुं. (तत्.) 1. ऐसा पत्ता जिसमें सार अर्थात् खाद हो 2. एक प्रकार का पक्षी।

**सारपाक** पुं. (तत्.) एक प्रकार का जहरीला फल।

**सार-फल** पुं. (तत्.) जँबारी नींबू।

**सारबान** पुं. (फा.) वह जो ऊँट चलाने या हाँकने का काम करता हो।

**सार-भांड** पुं. (तत्.) 1. असली, चोखा या बढ़िया माल 2. उक्त प्रकार के माल का व्यापार 3. कस्तूरी।

**सार-भाग** पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु का अति महत्वपूर्ण या अति आवश्यक अंश 2. किसी कथन/भाषण/ पुस्तक/लेख बातचीत आदि का वह संक्षिप्त अंश जिसमें मूल सामग्री की सभी महत्वपूर्ण बातें हो, संक्षेप, सारांश।

**सार-भाटा** पुं. (देश.) ज्वार आने के बाद की समुद्र की वह स्थिति जब लहरें उतार पर होती हैं।

**सार-भुक्** पुं. (तत्.) अग्नि, आग।

**सार-भूत** वि. (तत्.) 1. जो किसी पदार्थ आदि का सार हो 2. सर्वोत्तम, श्रेष्ठ।

**सार-भूत** वि. (तत्.) 1. सार ग्रहण करने वाला, सारग्राही 2. अच्छी चीजें चुनने या छाँटने वाला।

**सार-मती** स्त्री. (तत्.) संगीत में, कर्नाटकी पद्धति की एक रागिनी।

**सारमिति** स्त्री. (तत्.) वेद, श्रुति।

**सारमेय** पुं. (तत्.) 1. सरमा नामक वैदिक कुतिया की संतान, चार-चार आँखों वाले दो कुत्ते जो यम के द्वार पर रहते हैं 2. कुत्ता, श्वान।

**सार लेख** पुं. (तत्.) किसी लेख को संक्षिप्त करके तैयार किया गया लेख।

**सार-लोह** पुं. (तत्.) इस्पात, लोहसार।

**सारल्य** पुं. (तत्.) सरल होने की अवस्था, गुण या भाव, सरलता।

**सारवती** स्त्री. (तत्.) 1. एक प्रकार का सम-वृत्त वार्षिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में तीन भगण और गुरु होता है उदा. मोहि चलौ बन संग लिए,

पुत्र तुम्है हम देखि जिए-केशव 2. योग में, एक प्रकार की समाधि।

**सारवत्ता** स्त्री. (तत्.) 1. सारवान होने की अवस्था या भाव 2. सार ग्रहण करने का कार्य या भाव।

**सारवर्ग** पुं. (तत्.) ऐसे वृक्षों तथा वनस्पतियों की सामूहिक संज्ञा जिनमें से दूध या सफेद निर्यास निकलता हो, वैद्यक।

**सारवान्** वि. (तत्.) 1. जो सार या तत्व से युक्त हो 2. ठोस 3. पक्का, मजबूत 4. वृक्ष जिसमें से निर्यास निकलता हो।

**सार-शून्य** वि. (तत्.) जिसमें सार न हो, सारहीन।

**सार-संग्रह** पुं. (तत्.) किसी विषय की संक्षिप्त और सार-भूत बातों का संग्रह। compendium

**सारस** वि. (तत्.) सर या सरसी अर्थात् तालाब से संबंध रखने वाला पुं. 1. लंबी टांगोवाला एक प्रकार का प्रसिद्ध और बड़ा सफेद पक्षी जो प्रायः जलाशयों के पास अपनी मादा के साथ रहता है और मछलियाँ खाता है 2. हंस 3. चंद्रमा 4. कमर में पहनने का एक प्रकार का गहना 5. कमल 6. छप्पय नामक छंद भेद का नाम।

**सारसक** पुं. (तत्.) सारस पक्षी।

**सारसप्रिय** पुं. (तत्.) संगीत में, कर्नाटकी पद्धति का एक राग।

**सारसाक्षी** पुं. (तत्.) लाल नामक रत्न का एक प्रकार या भेद।

**सारसाक्षी** वि. (तत्.) कमल के समान सुंदर नेत्रों वाली, कमलनयनी।

**सारसिका** स्त्री. (तत्.) मादा सारस, सारसी।

**सारसी** स्त्री. (तत्.) 1. आर्या छंद का 23 वाँ भेद 2. मादा सारस।

**सारसुता** स्त्री. (तत्.) यमुना नदी।

**सारसुती** स्त्री. (तत्.) सरस्वती, शारदा देवी।

**सारसूची** स्त्री. (तत्.) कोई ऐसी सूची जिसमें किसी विषय से संबंध रखनेवाली मुख्य-मुख्य बातों का सार रूप में उल्लेख हो। abstract